CBSE Class 12 Hindi Elective 2004 - Set 29-2-3

Question Paper

Conducted by the Central Board of Secondary Education (CBSE)

Time Allowed: 3 Hours **Maximum Marks: 100**

General Instructions

(i) इस प्रश्न-पत्र में 13 प्रश्न हैं।
(ii) सभी प्रश्न अनिवार्य हैं। प्रश्नों में दिए गए आंतरिक विकल्पों का पालन कीजिए।
(iii) दिए गए निर्देशों और शब्द-सीमाओं का पालन करते हुए उत्तर लिखिए।
(iv) यथासंभव सभी प्रश्नों के उत्तर क्रमशः लिखिए।

Questions

1(क). निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

तू तो है वह लोक जहाँ उन्मुक्त मनुज का मन है,
समरसता को लिए प्रवाहित शीत स्निग्ध जीवन है ।
जहाँ पहुँच मानते नहीं नर-नारी दिग्बंधन को,
आत्मरूप देखते प्रेम में भरकर निखिल भुवन को ।
कहीं खोज इस रुचिर स्वप्न पावन को नमन करूँ मैं ?
किसको नमन करूँ मैं भारत ! किसको नमन करूँ मैं ?

1(ख). निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

ततखन हार बेगि उतिराना। पावा सखिन्ह चंद बिहँसाना ।।
बिगसे कुमुद देखि ससि-रेखा। भै तहँ ओप जहाँ जोइ देखा ।।
पावा रूप रूप जस चहा। ससि-मुख जनु दरपन होइ रहा ।।
नयन जो देखा कँवल भा, निरमल नीर सरीर ।
हँसत जो देखा हँस भा, दसन जोति नग हीर ।।

OR

1(क). निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

जलता है यह जीवन-पतंग
जीवन कितना ? अतिलघु क्षण,
ये शलभ पुंज से कण-कण,
तृष्णा वह अनल शिखाबन —
दिखलाती रक्तिम यौवन ।
जलने की क्यों न उठे उमंग ?

OR

1(ख). निम्नलिखित काव्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

मोहिं मूढ़ मन बहुत बिगोयो ।
याके लिए सुनहु करुनामय, मैं जग जनमि-जनमि दुख रोयो ।।
सीतल मधुर पीयूष सहज सुख, निकटहिं रहत, दूर जनु खोयो ।।
बहु भाँतिन स्रम करत मोह बस, बृथहिं मंदमति वारि बिलोयो ।।
करम-कीच जिय, जानि, सानि चित, चाहत कुटिल मलहिमल धोयो ।।

2(क). 'तुम पल भर को केवल मनुष्य बन जाओ तो' — 'तुम क्यों लिखते हो ?' कविता की यह पंक्ति कवि-जगत् को क्या प्रेरणा देती है ?

2(ख). 'पहचान' शीर्षक कविता का केंद्रीय भाव बताते हुए स्पष्ट कीजिए कि समाज में कवि बुद्धिजीवी वर्ग से क्या अपेक्षाएँ करता है ।

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

उदरंभरि बन अनात्म बन गए,
भूतों की शादी में कनात-से तन गए,
किसी व्यभिचारी के बन गए बिस्तर,
दुखों के दागों को तमगों-सा पहना,
अपने ही ख्यालों में दिन-रात रहना ।

OR

3. निम्नलिखित पंक्तियों में निहित काव्य-सौंदर्य स्पष्ट कीजिए :

लोचन लोल बिसाल बिलोकनि, को न बिलोकि भयो बस माई ।
वा मुख की मधुराई कहा कहो, मीठी लगे अँखियान लुनाई ।।

4. विद्यापति अथवा सूर्यकांत त्रिपाठी 'निराला' के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं और काव्यगत विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

5. किन्हीं दो गद्यांशों की सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) जहाँ तक रूढ़ि है, वहाँ तक शुद्ध शक्ति नहीं है, इसलिए प्रसादजी रूढ़ियों का तिरस्कार करके एकमात्र शक्ति के ही साधक हुए। इस साधना में उनके समान सफल साहित्यकार मुझे इस युग में कोई दूसरा नहीं दिखलाई देता। अपने उद्देश्य के प्रति ऐसी एक निष्ठा मैंने किसी आधुनिक कलाकार में नहीं देखी। इसे आप बनारसी रंग कहें या काशी की महिमा कहें या 'प्रसादजी' की अपनी सूझ कहें, संस्कृति कहें, जो कुछ चाहें कहें।

(ख) जैसे लकड़ी चीरने की आरा मशीन के नीचे मज़दूर लकड़ी का लट्ठा खिसकाता जाता है और वह चीरता जाता है, वैसे ही मैंने विरोधियों के नाम एक-एक करके खिसकाए और वह उन्हें काटता गया। कैसा आनंद था ! दुश्मनों को रणक्षेत्र में एक के बाद एक कटकर गिरते हुए देखकर योद्धा को ऐसा ही सुख होता होगा।

(ग) घुमक्कड़-धर्म से बढ़कर दुनिया में धर्म नहीं है। घुमक्कड़ होना आदमी के लिए परम सौभाग्य की बात है। यह पंथ अपने अनुयायी को मरने के बाद किसी काल्पनिक स्वर्ग का प्रलोभन नहीं देता, इसके लिए तो कह सकते हैं — 'क्या खूब सौदा नकद है — इस हाथ ले, उस हाथ दे।'

6. निम्नलिखित में से किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 50–60 शब्दों में होना चाहिए।

(क) क्रोध पर प्रतिबंध लगाना क्यों आवश्यक है ? क्रोध पर लगा प्रतिबंध किस स्थिति में व्यर्थ हो जाता है ? — 'क्रोध' पाठ के आधार पर उत्तर दीजिए।

(ख) 'मंत्र' कहानी आपको क्या जीवन-संदेश देती है ? उदाहरण देते हुए उल्लेख कीजिए।

(ग) 'भीष्म अपनी प्रतिज्ञा के शब्दों से चिपटे ही रहे । वह भविष्य नहीं देख सके, वह लोक-कल्याण को नहीं समझ सके।' लेखक के इस कथन की पुष्टि सोदाहरण कीजिए।

7. मृदुला गर्ग अथवा सुंदरलाल बहुगुणा के जीवन का संक्षिप्त परिचय देते हुए उनकी रचनाओं का उल्लेख कीजिए और उनकी भाषा-शैली की विशेषताओं पर प्रकाश डालिए।

8(क). 'उपन्यास की समस्याओं के चित्रण में कथोपकथन महत्त्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं।' — कथन के आलोक में 'ज्यों मेंहदी को रंग' अथवा 'निर्मला' की संवाद-योजना का विवेचन कीजिए।

8(ख). 'ज्यों मेंहदी को रंग' उपन्यास के आधार पर शालिनी अथवा 'निर्मला' उपन्यास के आधार पर निर्मला की किन्हीं चार चरित्रगत विशेषताओं पर सोदाहरण प्रकाश डालिए।

9. किन्हीं दो प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक उत्तर 40–50 शब्दों में अपेक्षित है।

(क) "देश-काल और वातावरण-चित्रण की दृष्टि से 'निर्मला' अथवा 'ज्यों मेंहदी को रंग' एक सफल उपन्यास है।" — कथन पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ख) "उपन्यास का एक उद्देश्य सामाजिक चेतना में क्रान्तिकारी बदलाव लाना भी है।" — इस कथन के आलोक में 'ज्यों मेंहदी को रंग' अथवा 'निर्मला' उपन्यास पर अपने विचार प्रकट कीजिए।

(ग) " 'ज्यों मेंहदी को रंग' अथवा 'निर्मला' की भाषा-शैली प्रसंगानुकूल विविधता लिए हुए है।" इस कथन की पुष्टि उपन्यास से उदाहरण देते हुए कीजिए।

10. 'रीतिकालीन कविता का प्रधान स्वर शृंगार का है ।' — इस कथन की तर्कसम्मत पुष्टि करते हुए रीतिकालीन साहित्य की चार सामान्य विशेषताओं का उल्लेख कीजिए।

OR

10. वीरगाथा काल के काव्य की चार सामान्य विशेषताएँ बताते हुए इस काल के किन्हीं दो प्रसिद्ध काव्य-ग्रंथों के नाम भी लिखिए।

11. प्रयोगवादी काव्य से क्या तात्पर्य है ? इस काव्य धारा के काव्य की चार प्रमुख विशेषताओं का उल्लेख कीजिए ।

OR

11. छायावादी काव्य की चार प्रमुख प्रवृत्तियों पर प्रकाश डालते हुए किन्हीं दो छायावादी कवियों के नाम लिखिए ।

12. 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी कहानी' अथवा 'स्वातंत्र्योत्तर हिन्दी निबंध' के विकास का संक्षिप्त परिचय दीजिए।

13. किसी एक विषय पर लगभग 450 शब्दों में निबन्ध लिखिए :

(क) नैतिक मूल्यों के विकास में शिक्षक की भूमिका

(ख) करत-करत अभ्यास के जड़मति होत सुजान

(ग) जनसंख्या वृद्धि : समस्या और समाधान

(घ) राष्ट्र हित : सर्वोपरि हित

(ङ) वर्तमान चुनाव प्रणाली और उसमें सुधार की आवश्यकता

- End of Question Paper -